दैनिक भास्कर
श्रीगंगानगर भास्कर 07-08-2024

यूजीसी नेट के लिए शेड्यूल जारी • 83 विषयों के लिए आयोजित होगी परीक्षा, पास के लिए सामान्य श्रेणी को 40 प्रतिशत अंक जरूरी

परीक्षा 21 अगस्त से 4 सितंबर के बीच दो-दो शिफ्टों में सीबीटी मोड में होगी

भास्कर संवाददाता | श्रीगंगानगर

एनटीए की ओर से आयोजित होने वाले यूजीसी नेट परीक्षा के लिए सब्जेक्ट-वाइज शेड्यूल जारी किया जा चुका है। उम्मीदवार वेबसाइट ugcnet.nta.ac.in. पर इसे चेक कर सकते हैं। परीक्षा 21 अगस्त से 4 सितंबर के बीच दो-दो शिफ्टों में सीबीटी मोड में होगी।

पहली शिफ्ट सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक होगी। टाइम टेबल के मुताबिक इंग्लिश का पेपर 21 अगस्त को पहली और दूसरी शिफ्ट में होगा। यह परीक्षा 83 विषयों के लिए आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा को पास करने के लिए सामान्य श्रेणी वाले उम्मीदवार को कम से कम 40 प्रतिशत अंक और आरक्षित श्रेणी वालों का 35 प्रतिशत लाना जरूरी है। एडमिट कार्ड से पहले सिटी स्लिप जारी किया जाएगा। सिटी स्लिप में उम्मीदवारों को अपने शहर की जानकारी मिलेगी और उन्हें परीक्षा केंद्र का पता चलेगा।

इस स्लिप में परीक्षा की तारीख, केंद्र और अन्य जानकारी रहेगी। जानकारी के अनुसार यूजीसी नेट पहले दो कैटेगरी जैसे, जूनियर रिसर्च फैलोशिप (जेआरएफ), असिस्टेंट प्रोफेसर एलिजिबिलिटी के लिए आयोजित की जाती थी। लेकिन इस बार तीसरी कैटेगरी के तहत पीएचडी प्रवेश को भी शामिल किया गया। इसके माध्यम से देश के बड़े विश्वविद्यालयों के पीएचडी प्रोग्राम में एडमिशन होंगे।

हिंदी का पेपर 26 अगस्त को दोनों शिफ्टों में होगा, पेपर लीक होने के संदेह पर परीक्षा को रद्द किया था

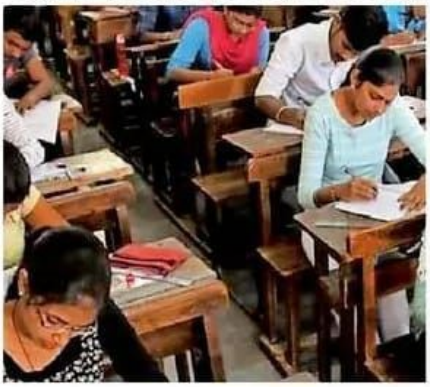

जानकारी के अनुसार हिंदी का पेपर 26 अगस्त को, हिस्ट्री का पेपर 29 अगस्त को, कॉमर्स का पेपर 3 सितंबर को व पॉलिटिकल साइंस के पेपर 4 सितंबर को दोनों शिफ्टों में होंगे। 23 अगस्त को कम्प्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस, 26 अगस्त को फिलॉस्फी, 22 अगस्त को पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन का पेपर होगा। परीक्षा सिटी की डिटेल परीक्षा शुरू होने से 10 दिन पहले जारी कर दी जाएगी। बता दें कि पहले यह परीक्षा 16 जून को होना थी। लेकिन बाद में यूपीएससी के साथ टकराव के कारण इसे 18 जून तक के लिए टाल दिया गया था।

यूजीसी नेट परीक्षा का आयोजन 18 जून को हुआ था लेकिन पेपर लीक होने के संदेह पर इसे रद्द कर दिया गया था। हालांकि बाद में सीबीआई जांच में यह सबूत गलत पाए गए थे। 18 जून को देशभर के 317 शहरों के 1205 केंद्रों में आयोजित हुई यूजीसी नेट परीक्षा के लिए 11.21 लाख से अधिक रजिस्टर्ड उम्मीदवारों में से लगभग 81 प्रतिशत उपस्थित हुए थे।

दैनिक भास्कर
श्रीगंगानगर भास्कर 07-08-2024

भास्कर खास • महिला की उम्र 18 वर्ष से अधिक होना जरूरी, बच्चों के नाम जोड़ने की गाइडलाइन नहीं

खाद्य सुरक्षा योजना में वंचित विवाहित महिलाओं के नाम अब पति के परिवार में जुड़ सकेंगे, 4 वर्ष बाद खुला पोर्टल

भास्कर संवाददाता | श्रीगंगानगर

विवाह के बाद खाद्य सुरक्षा योजना से वंचित हुई विवाहित महिलाओं के नाम पति के परिवार में अब जुड़ सकेंगे। खाद्य व आपूर्ति विभाग ने इसको लेकर निर्देश जारी कर दिए हैं। आदेश में बताया गया है कि ऐसी महिलाएं जो विवाह से पहले खाद्य सुरक्षा योजना में शामिल थी और विवाह के बाद उनका नाम हट गया। अब वे अपना नाम पति के परिवार में शामिल करा सकेंगी।

बता दें कि इसमें केवल उन्हीं पात्र महिलाओं के नाम शामिल होंगे। जिनके पति का परिवार खाद्य सुरक्षा योजना में शामिल हैं। वहीं पति का परिवार एनएफएसए में शामिल नहीं होने पर नाम नहीं जुड़ेगा। ऐसे में नागरिकों की पीड़ा यह है कि खाद्य सुरक्षा योजना का पोर्टल खुलने के बाद खाद्य सुरक्षा योजना में शामिल परिवारों को नए सदस्यों का नाम राशन कार्ड में शामिल होने की आस लगी थी।

लेकिन नए सर्कुलर के साथ खुले पोर्टल में बच्चों के नाम जोड़ने का ऑप्शन भी नहीं खुल रहा है। नवविवाहितों का नाम भी खाद्य सुरक्षा के राशन कार्ड में भी तभी जुड़ा रहा है यदि नवविवाहिता का नाम पीहर में पिता के खाद्य सुरक्षा के राशन कार्ड में जुड़ा है। ऐसे में लंबे समय से जो हजारों लोग राशन में नाम जुड़ने से वंचित रह रहे थे उन्हें पोर्टल शुरू होने के बाद भी निराश ही हाथ लगी हुई नजर आ रही है।

फैक्ट: शहर में 53% एवं 69% ग्रामीण का कोटा पूरा, इसीलिए नए नाम जुड़ना बंद

जानकारी के अनुसार वर्ष 2011 की जनगणना को आधार मानते हुए शहरी क्षेत्र में 53 एवं ग्रामीण में 69 प्रतिशत व्यक्तियों की लगाई गई सिलिंग खाद्य सुरक्षा योजना के पात्र परिवारों के जी का जंजाल बनी हुई है। अधिकारियों द्वारा पोर्टल बंद होने की बात कही जाती है। लेकिन, कोटा पूरा होने के चलते इसमें पात्र परिवारों के नाम तक नहीं जुड़ पा रहे हैं। ऐसे में कई पात्र परिवारों को उज्ज्वला, पीएम आवास, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। राज्य सरकार की ओर से मेधावी विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति के लिए भी राशन कार्ड की जरूरत होती है। कई विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित हैं।

पीहर एवं ससुराल के राशन कार्ड के नंबर भी जरूरी

ई-मित्र संचालक राहुल भोजवानी ने बताया कि जिस महिला का ससुराल में नया नाम जुड़ेगा उसकी आयु 18 या उससे अधिक होनी चाहिए। उसके पीहर एवं ससुराल के राशन कार्ड के नंबर भी होने चाहिए। खाद्य सुरक्षा योजना के पोर्टल में मेम्बर एड का ऑप्शन खुला है। एड मेम्बर का ऑप्शन खोलने के बाद राशन कार्ड के नंबर डाले जाएंगे। जब तक नवविवाहिता ओल्ड राशन कार्ड का नंबर पोर्टल पर नहीं डलेगा तब तक नव विवाहिता का नाम पति के राशन कार्ड में ट्रांसफर नहीं होगा। यदि ई-मित्र संचालकों द्वारा बिना ओल्ड राशन कार्ड नंबर डाले प्रोसेस की जाती है तो शून्य की एरर आ रही है। ऐसी स्थिति में कई नवविवाहिता भी खाद्य सुरक्षा के राशन कार्ड में नाम जुड़ाने से वंचित रह जाएगी। जिनके पिता का राशन कार्ड भी खाद्य सुरक्षा का नहीं है।

दैनिक भास्कर

उदयपुर 07-08-2024

आरपीएससी ने भी इस साल अगस्त से दिसंबर तक होने वाली 5 बड़ी भर्ती परीक्षाओं की तारीखें घोषित कीं

रेलवे में 7951 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन 29 तक, अपात्र होने पर भी फार्म भरा तो अगली परीक्षाओं में भी बैन

सिटी रिपोर्टर | उदयपुर

रेलवे भर्ती बोर्ड में जेई, सीएमए, सीएसआर, डीएमएस के अजमेर जोन में 529 सहित देश के 21 जोन में 7951 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह 29 अगस्त तक चलेगी। आवेदन में गलतियों को सुधारने का समय 30 अगस्त से 8 सितंबर तक रहेगा। अभ्यर्थियों को पात्र (योग्य) नहीं होने के बावजूद आवेदन करना महंगा पड़ेगा। इससे अयोग्य होने के बाद भी एक से अधिक पदों पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों पर लगाम लगेगी। अयोग्य होने पर भी एक से ज्यादा आवेदन करने पर न सिर्फ आवेदन निरस्त किया जाएगा, बल्कि ऐसे अभ्यर्थियों पर रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड और रेलवे रिक्रूटमेंट सेल से आगामी भर्ती परीक्षाओं के लिए बैन लगा दिया जाएगा।

अभ्यर्थी जिन पदों के लिए पात्र पूरी करते हैं, उन सभी पदों के लिए अलग-अलग आवेदन कर सकते हैं। रेलवे भर्ती बोर्ड जूनियर इंजीनियर (जेई), कैमिकल एंड मेटलर्जिकल असिस्टेंट (सीएमए), कैमिकल सुपरवाइजर रिसर्च (सीएसआर), डिपो मटेरियल सुपरिटेंडेंट (डीएमएस) के पदों पर भर्ती करेगा। यह भर्ती अजमेर जोन, अहमदाबाद, कोलकाता, मुंबई सहित देश के 21 रेलवे जोन के लिए होगी।

सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा 18 से 36 वर्ष तय है। आरक्षित वर्ग के लिए उम्र में छूट नियमानुसार होगी। अगर किसी भी अभ्यर्थी ने आवेदन में खराब फोटो, ग्रुप फोटो, फुल बॉडी व्यू, साइड व्यू, फोटो कॉपी फोटोग्राफ आदि उपयोग किया तो आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा। इधर, आरपीएससी ने इस साल अगस्त से दिसंबर तक होने वाली 5 विभिन्न परीक्षाओं की तारीखें घोषित कर दी हैं।

अजमेर जोन में 529, मुंबई में सर्वाधिक 1377 पदों पर भर्ती

रेलवे के अजमेर जोन में 529 पदों पर भर्ती होगी। वहीं अहमदाबाद में 382, बेंगलुरु 397, भोपाल 485, भुवनेश्वर 175, बिलासपुर 472, चंडीगढ़ 356, चेन्नई 652, गोरखपुर 259, गुवाहाटी 225, जम्मू- श्रीनगर 251, कोलकाता 660, मालदा 163, मुंबई 1377, सिकंदराबाद 590, सिलिगुड़ी 28, तिरुवनंतपुरम 121, मुजफ्फरपुर 11, पटना 247, प्रयागराज 404 व रांची आरआरबी में 167 पदों के लिए भर्ती होगी।

आरपीएससी : 25 अगस्त से परीक्षाओं की शुरुआत

आरपीएससी सचिव रामनिवास मेहता ने अगस्त से दिसंबर तक होने वाली विभिन्न 5 परीक्षाओं की तारीखें घोषित करने की सूचना जारी कर दी है। कृषि विभाग की सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा 25 अगस्त को होगी। संस्कृत शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य प्रयोगी परीक्षा 8 सितंबर, 12 सितंबर, 14 सितंबर और 15 सितंबर को होगी। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की प्रोग्रामर प्रतियोगी परीक्षा 27 अक्टूबर, संस्कृत शिक्षा विभाग की प्राध्यापक-विद्यालय प्रतियोगी परीक्षा 17 व 21 नवंबर और वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 28 व 31 दिसंबर को होगी।

दैनिक भास्कर

डीडवाना कुचामन भास्कर 07-08-2024

भास्कर खास • सामान्य वर्ग में 18 से 28 वर्ष के छात्र आवेदन के पात्र, 30 जून 2024 से होगी आयु की गणना

बीपीएड: पहली बार त्रिस्तरीय परीक्षण प्रक्रिया से गुजरेंगे अभ्यर्थी, प्री परीक्षा से होगा दो हजार सीटों पर दाखिला

भास्कर न्यूज | कुचामनसिटी

शारीरिक शिक्षक बनने के लिए पहली बार अभ्यर्थियों को प्री परीक्षा भी देनी होगी। पहले शारीरिक दक्षता के आधार पर ही टेस्ट लेकर दाखिला दे दिया जाता था। इस वर्ष दो वर्षीय बीपीएड कोर्स में दाखिले के लिए त्रिस्तरीय परीक्षण प्रक्रिया से अभ्यर्थियों को गुजरना पड़ेगा।

पीटीईटी और डीएलएड के बाद प्री- बीपीएड करने का दायित्व भी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा को दिया है। नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने दो वर्षीय शारीरिक शिक्षा स्नातक पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा (प्री-बीपीएड -2024) की अधिसूचना जारी कर दी है। बीपीएड कोर्स की दो हजार सीटों पर प्रवेश के लिए इस बार अभ्यर्थियों को 100 अंकों की प्रतियोगी परीक्षा पास करनी होगी। सामान्य वर्ग में 18 से 28 वर्ष के छात्र अभ्यर्थी आवेदन के पात्र होंगे। जबकि आरक्षित वर्ग सहित सामान्य महिला अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा 18 से 33 वर्ष निर्धारित की गई है। पूर्व सैनिकों के लिए 18 से 40 वर्ष और सेवारत शारीरिक शिक्षक के लिए 45 वर्ष आयु निर्धारण की गई है। आयु की गणना 30 जून 2024 से होगी।

यूं समझें: कैसे होगा वरीयता का निर्धारण

1. **पहला चरण:** 100 अंकों की होगी प्रतियोगी परीक्षा, आवंटित सीटों के तीन गुना अभ्यर्थी अगले चरण के लिए योग्य होंगे।

2. **दूसरा चरण:** शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण के तहत पुरुष वर्ग के लिए 2200 मीटर और महिला वर्ग के लिए 1800 मीटर दौड़, यह दौड़ 12 मिनट में पूरी करनी होगी।

3. **तीसरा चरण:** प्रवेश परीक्षा के 20 अंक, स्नातक परीक्षा के 40 अंक, सीपीएड, डीपीएड, किसी खेल में एक वर्षीय डिप्लोमा के 5 अंक सहित खेल प्रमाण पत्र के अधिकतम 35 अंकों के आधार पर वरीयता का निर्धारण होगा।

अगले चरण के लिए करना होगा रजिस्ट्रेशन

नोडल एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को अगले चरण शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण में शामिल होने से पहले रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा। रजिस्ट्रेशन शुल्क 5 हजार रुपए निर्धारित किया गया है। जिन अभ्यर्थियों द्वारा रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा नहीं करवाया जाएगा उन्हें फिजिकल टेस्ट में शामिल नहीं किया जाएगा। दो वर्षीय बीपीएड पाठ्यक्रम के लिए 22370 रुपए वार्षिक शुल्क निर्धारित है।

राज्य के विभिन्न कॉलेजों में संचालित बीपीएड कोर्स में प्रवेश के लिए इस बार प्री - परीक्षा आयोजित करवाई जा रही है। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अभ्यर्थी 10 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। परीक्षा 8 सितंबर को होगी।

डॉ. कपिल गौतम, समन्वयक, प्री-बीपीएड परीक्षा

आरपीएससी कार्यवाहक अध्यक्ष पद पर मीणा ने संभाला कार्यभार

बोले-कैलेंडर के अनुसार समयबद्ध व शुचिता पूर्ण भर्ती परीक्षाएं कराना प्राथमिकता

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष पर मंगलवार को आयोग सदस्य कैलाश चंद मीणा ने कार्यभार ग्रहण कर लिया। आयोग सचिव रामनिवास मेहता, परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता व अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। मीणा ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि आयोग के परीक्षा कैलेंडर के अनुसार परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता से करवाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। जिन परीक्षाओं का आयोजन किया जा चुका है, उनका परिणाम शीघ्र जारी करना, लम्बित वादों के निस्तारण के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त भर्ती परीक्षाओं, परिणामों व अभिस्तावना संबंधित विभागों को भिजवाने संबंधी कार्यों को समयबद्ध रूप से संपन्न करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उल्लेखनीय है कि मीणा ने आयोग में सदस्य का पदभार 9 अक्टूबर 2023 को ग्रहण किया था। इससे पूर्व मीणा भारतीय प्रशासनिक सेवा संवर्ग के अन्तर्गत राजस्थान राज्य सरकार के विभिन्न पदों पर सेवाएं दे चुके हैं।

दैनिक भास्कर

बांसवाड़ा जिला 07-08-2024

भास्कर खास • जन्म से लेकर 21 वर्ष तक साथ निभाएगी राज्य सरकार, बालिका जन्म के प्रति बदलेगी सोच

गरीब के घर बेटी का जन्म होने पर सरकार देगी 1 लाख

भास्कर संवाददाता | बांसवाड़ा

गरीब परिवार में जन्म लेने वाली बालिकाओं के पालन-पोषण की चिंता अब माता-पिता नहीं राज्य सरकार करेगी। अब यह जिम्मेदारी राज्य सरकार ने अपने कंधों पर उठा ली है।

बालिका जन्म को प्रोत्साहित करने के साथ ही जन्म से लेकर उनके वयस्क होने तक बालिकाओं के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार ने बालिका के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने एवं उनके स्वास्थ्य तथा शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए प्रदेश में 1 अगस्त, 2024 से 'लाडो प्रोत्साहन योजना' लागू की है। योजना में गरीब परिवार की बालिकाओं के जन्म पर एक लाख रुपए का सेविंग बॉण्ड राज्य सरकार की ओर से दिया जाएगा।

क्या आएगा बदलाव

बालिका की किलकारी गुंजने पर अक्सर मां-बाप के चेहरों पर उसके लालन-पालन और भविष्य के खर्चों की चिंता की लकीरें दिखाई देने लगती है। इन चिंताओं की वजह से ही शिशु लिंगानुपात घट रहा है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री लाडो प्रोत्साहन योजना लाए हैं। योजना से संस्थागत प्रसव को बढ़ावा मिलेगा और मातृ मृत्यु दर के साथ ही बालिका शिशु मृत्यु दर में भी कमी आएगी। साथ ही घटते शिशु लिंगानुपात में भी सुधार होगा। बालिकाओं का विद्यालय में नामांकन एवं ठहराव भी बढ़ेगा। माता-पिता उनकी पढ़ाई जल्दी नहीं छुड़वाएंगे, जल्दी शादी नहीं करवाएंगे, जिससे बाल विवाह में कमी लाने में भी मदद मिलेगी।

योजना में क्या मिलेगा

इस योजना में राजस्थान की मूल निवासी प्रसूता द्वारा राजकीय चिकित्सा संस्थान/जननी सुरक्षा योजना के लिए अधिस्वीकृत निजी चिकित्सा संस्थान में बालिका के जन्म पर 1 लाख रुपए राशि का संकल्प पत्र दिया जाएगा। बालिका के जन्म से लेकर 21 वर्ष आयु पूरी करने तक राशि का भुगतान 7 किश्तों में डीबीटी के माध्यम में ऑनलाइन किया जाएगा। पहली छह किश्तें बालिका के माता-पिता अथवा अभिभावक के बैंक खाते तथा 7वीं किश्त बालिका के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से ऑनलाइन हस्तांतरित की जाएगी। राजश्री योजना को लाडो प्रोत्साहन योजना में समाहित करते हुए इस योजना की आगामी किश्तों का लाभ पात्रतानुसार लाडो प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत देय होगा। सरकार की इस योजना के पीछे मंशा है कि लोग बेटियों के जन्म पर चिंता होने की बजाय उसे योग्य बनाने के लिए सोचे।

विभिन्न चरणों में मिलेगी राशि

पात्र चिकित्सा संस्थानों में बालिका का जन्म होने पर पहली किश्त 2 हजार 5 सौ रुपए, बालिका की आयु एक वर्ष पूर्ण होने एवं समस्त टीकाकरण होने पर दूसरी किश्त 2 हजार 5 सौ रुपए, राजकीय विद्यालय या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में पहली कक्षा में प्रवेश लेने पर तीसरी किश्त 4 हजार रुपए, छठी कक्षा में प्रवेश लेने पर चौथी किश्त 5 हजार रुपए, 10वीं कक्षा में प्रवेश लेने पर पांचवी किश्त 11 हजार रुपए, 12वीं कक्षा में प्रवेश लेने पर छठी किश्त 25 हजार रुपए तथा स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 7वीं किश्त 50 हजार रुपए डीबीटी के माध्यम से ऑनलाइन हस्तांतरित की जाएगी।

पात्रता व प्रक्रिया: बालिका का जन्म राजकीय चिकित्सा संस्थान अथवा जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाय) के लिए अधिस्वीकृत निजी चिकित्सा संस्थान में होना आवश्यक है। साथ ही प्रसूता का राजस्थान की मूल निवासी होना भी जरूरी है। गर्भवती महिला की एएनसी जांच के दौरान राजस्थान की मूल निवासी होने का प्रमाण-पत्र अथवा विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र, बैंक खाते का विवरण आदि दस्तावेज प्राप्त कर उनका चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संधारण किया जाएगा।

ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली विनेश पहली महिला पहलवान बनी

पेरिस ओलंपिक: सेमीफाइनल में क्यूबा की लोपेज को हराया

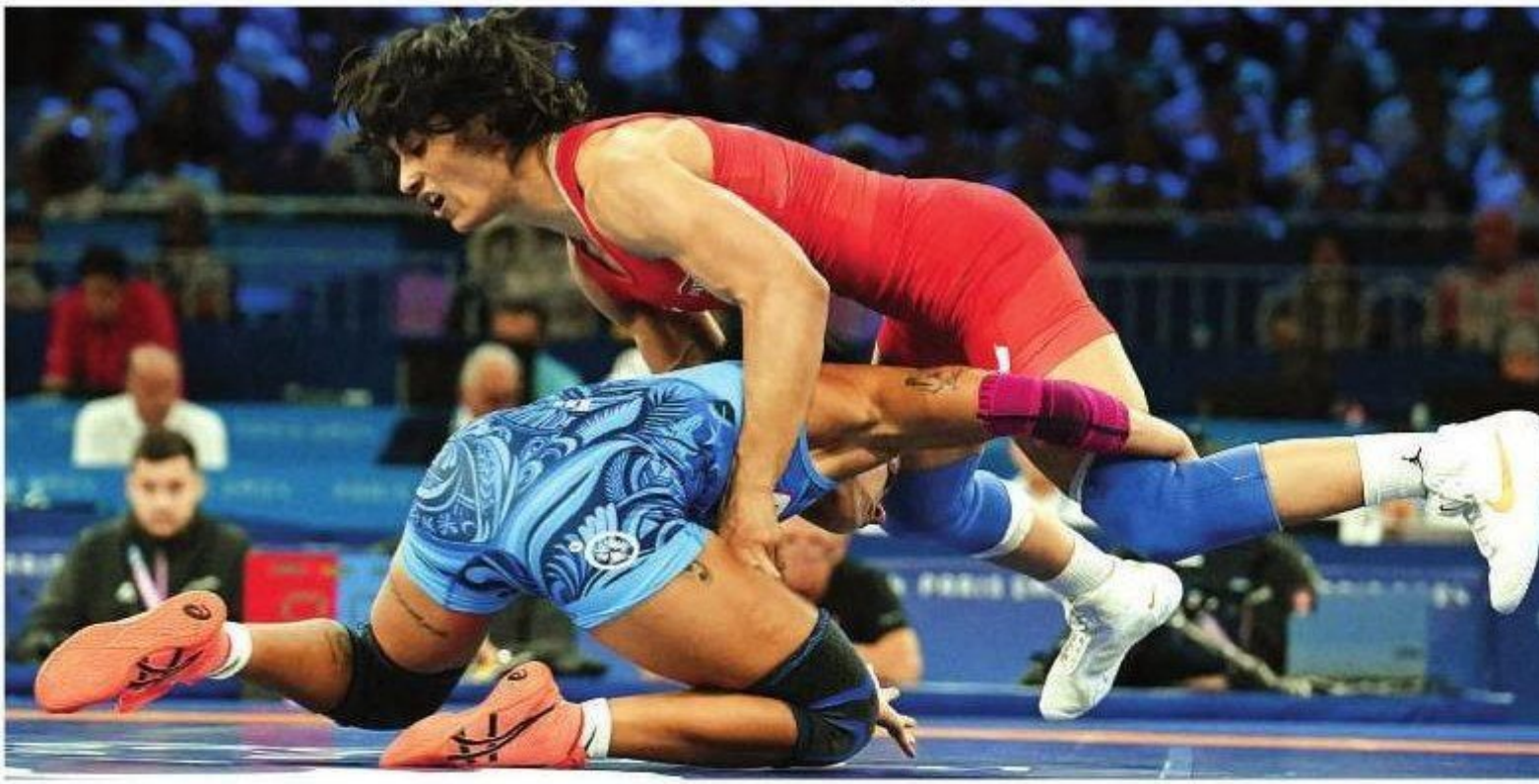

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 का 11वां दिन भारत के लिए खास रहा। भारत के लिए विनेश फोगाट ने इतिहास रच दिया है। वह ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला पहलवान बन गई। उन्होंने महिलाओं की 50 किलोग्राम भारवर्ग के सेमीफाइनल में क्यूबा की लोपेज गुजमान को 5-0 से हरा दिया।

आखिरी 3 मिनट में 4 अंक अर्जित किए

पहले राउंड तक विनेश 1-0 से आगे थीं। फिर आखिरी तीन मिनट में उन्होंने क्यूबा की पहलवान पर डबल लेग अटैक किया और चार पॉइंट अर्जित किए। इस बढ़त को वह अंत तक बनाए रखी और फाइनल में जगह बनाई। विनेश का इस ओलंपिक में सफर शानदार रहा है। रियो ओलंपिक में चोट की वजह से हटने और फिर टोक्यो ओलंपिक में राउंड ऑफ 16 से बाहर होने के बाद इस साल विनेश ने अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने दिखाया है।

टोक्यो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता सुसाकी को हराया

अपने पहले मैच यानी प्री क्वार्टर फाइनल में विनेश ने चार बार की विश्व चैंपियन और टोक्यो ओलंपिक की गोल्ड मेडलिस्ट सुसाकी को 3-2 से हराया था। फिर ओकसाना को क्वार्टर फाइनल में 7-5 से हराया। अब सेमीफाइनल में 5-0 से जीत हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। विनेश ने कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया और वह बुधवार (सात अगस्त) को स्वर्ण पदक के लिए उतरेंगी। विनेश से पहले केवल दो पुरुष पहलवान ही ओलंपिक में फाइनल तक पहुंच पाए हैं। 2012 लंदन ओलंपिक में सुशील कुमार और 2020 टोक्यो ओलंपिक में रवि दहिया फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन आखिरी मुकाबला दोनों हार गए थे।

इस बार सीईटी में एक तिहाई होगी नेगेटिव मार्किंग

राजस्थान समान पात्रता परीक्षा की अधिसूचना जारी

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने प्रदेश में समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) ग्रेजुएशन लेवल की विज्ञप्ति जारी कर दी है। इसमें अब नेगेटिव मार्किंग भी की जाएगी। साथ ही सवाल के जवाब के 5 विकल्प दिए जाएंगे। अभ्यर्थियों को किसी सवाल का जवाब नहीं देने की स्थिति में पांचवें विकल्प को भरना जरूरी होगा। अभ्यर्थी भविष्य में होने वाली 11 भर्ती परीक्षाओं में हिस्सा ले सकेंगे। इस बार समान पात्रता परीक्षा में अभ्यर्थियों को न्यूनतम 40% अंक लाना अनिवार्य होगा। इससे कम अंक आने पर उन्हें अपात्र घोषित कर दिया जाएगा। हालांकि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों को न्यूनतम अंकों में पांच प्रतिशत की छूट दी जाएगी। बोर्ड अध्यक्ष आलोक राज ने बताया कि इस भर्ती में गलत उत्तर देने पर अन्य भर्तियों की तरह एक तिहाई अंक काटा जाएगा। इसके साथ ही 5वें विकल्प का नियम भी अन्य भर्तियों की भांति ही लागू किया जाएगा। हमारा उद्देश्य है कि मुख्य परीक्षा के लिए योग्य अभ्यर्थियों का ही चयन हो। कोई भी उम्मीदवार तुक्केबाजी करके 40 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं कर सके।

यह होगा परीक्षा का कार्यक्रम: राजस्थान में समान पात्रता परीक्षा ग्रेजुएशन लेवल की परीक्षा का आयोजन 25 से 28 सितंबर के बीच किया जाएगा। ऐसे में पात्रता परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी 9 अगस्त से से 7 सितंबर तक कर्मचारी चयन बोर्ड की ऑफिशल वेबसाइट पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे।

इन भर्ती परीक्षा में कर सकेंगे आवेदन: गृह रक्षा विभाग में प्लाटून कमांडर, जल संसाधन विभाग में जिलेदार और पटवारी, कोष एवं लेखा विभाग में कनिष्ठ लेखाकार, राजस्व मंडल में तहसील राजस्व लेखाकार, महिला आधिकारिता में पर्यवेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं में पर्यवेक्षक, कारागार विभाग में उप जेलर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में छात्रावास अधीक्षक ग्रेड सेकंड, राजस्व मंडल में पटवारी, राजस्थान पंचायती राज में ग्राम विकास अधिकारी और राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड में कनिष्ठ लेखाकार भर्ती शामिल है।

कांस्टेबल से अन्य सेवाओं में जाने वालों से पूर्व वेतन की वसूली गलत : हाईकोर्ट

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कांस्टेबल पद पर नियुक्ति के बाद उनके शिक्षक या अन्य सेवा में चयनित होने पर उन्हें पूर्व में दिए गए वेतन की वसूली को अवैध और गलत माना है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ताओं से वसूली गई पूर्व वेतन की राशि को लौटाने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश बनवारी लाल जाट व 20 अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिकाओं में अधिवक्ता आरपी सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति राजस्थान पुलिस सेवा में कांस्टेबल के पद पर 4 अक्टूबर 2010 को हुई थी। उसके बाद उन्होंने वरिष्ठ शिक्षक भर्ती में भाग लिया और 5 सितंबर 2020 को उनका चयन हो गया। अजमेर संभाग में वरिष्ठ शिक्षक के पद पर कार्य ग्रहण करने से पहले पुलिस विभाग ने उनसे पूर्व में दिए गए वेतन की वसूली की और उसके बाद ही रिलीव किया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता राजकीय सेवा के एक पद से दूसरे पद पर वरिष्ठ पे स्केल पर जा रहे हैं। ऐसे में उनसे सेवा बदलने पर पूर्व सेवा के वेतन की वसूली करना गलत व मनमाना है।

आरजेएस भर्ती परीक्षा में शामिल करने के आदेश

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरजेएस भर्ती-2024 में एसटी विधवा वर्ग के लिए पद आरक्षित नहीं करने के मामले में हाईकोर्ट प्रशासन को आदेश दिए हैं कि वह याचिकाकर्ता को मुख्य परीक्षा में शामिल करे। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस गणेश मीणा की खंडपीठ ने यह आदेश सुनीता मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता हिमांशु जैन ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट प्रशासन ने राजस्थान न्यायिक सेवा के 222 पदों के लिए इस साल भर्ती निकाली है। जिसकी प्रारंभिक परीक्षा होने के बाद 31 अगस्त को मुख्य परीक्षा होनी है। भर्ती में 24 पद एसटी वर्ग के लिए आरक्षित रखे गए हैं। इनमें से आठ पद एसटी महिला के लिए आरक्षित रखे गए हैं। वहीं इन आठ पदों में से तीस फीसदी पद एसटी विधवा और तलाकशुदा कोटे के लिए आरक्षित होने चाहिए, लेकिन इस कोटे के लिए अलग से कोई पद नहीं रखे गए।

याचिका में बताया गया कि प्रारंभिक परीक्षा में याचिकाकर्ता के 46 अंक आए हैं, जबकि सामान्य विधवा वर्ग की कट ऑफ 45 अंक हैं।

वहीं हाईकोर्ट प्रशासन ने एसटी विधवा और तलाकशुदा वर्ग की अलग से कट ऑफ जारी ही नहीं की। ऐसे में हाईकोर्ट प्रशासन ने आरक्षण के प्रावधानों की अवहेलना की है।

आरयू में पीजी, सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कार्सेज में प्रवेश का अंतिम मौका

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के स्नातकोतर प्रथम सेमेस्टर, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कोर्स, (मेरिट आधारित) में विद्यार्थियों को प्रवेश का अंतिम मौका दिया है। इस दौरान जिन छात्रों का नाम प्रथम व द्वितीय वरीयता सूची में सम्मिलित था, परंतु किसी कारण से वो अपने दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन नहीं करवा पाए या फीस जमा नहीं करवा पाए थे, उनको 7 एवं 8 अगस्त 2024 को एक आखिरी अवसर प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रवेश समिति के संयोजक प्रो. राम अवतार शर्मा ने कहा कि छात्र अपने दस्तावेजों भौतिक सत्यापन करवाकर 8 अगस्त, 2024 को रात्रि 11:59 बजे तक ऑनलाइन फीस जमा करवा सकते हैं। यदि किसी विभाग में सीट रिक्त रहती है तो तृतीय वरीयता सूची का प्रकाशन 10 अगस्त को किया जाएगा।

अब अंतिम वर्ष उत्तीर्ण को ही आवेदन का पात्र मानने की तैयारी

आरपीएससी ने राज्य सरकार को भेजा प्रस्ताव

कासं/अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग अब यह बदलाव करने की तैयारी में है कि स्नातक या स्नातकोत्तर के अंतिम वर्ष के विद्यार्थी को परीक्षा में शामिल होने की छूट को बंद किया जाए। प्रतियोगी परीक्षा में वही अभ्यर्थी शामिल हो, जिसने स्नातक या स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। आरपीएससी में नियमों में संशोधन के लिए प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा है। राज्य सरकार यदि नियमों में संशोधन करती है, तो यह आयोग की ओर से आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं पर लागू हो सकेगा।

दरअसल यह छूट तब दी गई थी, जब प्रदेश की आरएएस परीक्षा में शामिल होने के लिए अधिकतम आयु 28 वर्ष थी। तब यह सुविधा दी गई थी कि अंतिम वर्ष का विद्यार्थी भी आवेदन कर सकता है। लेकिन अब सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी के लिए प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने की अधिकतम आयु 40 वर्ष है। इसके बाद आरक्षित वर्ग को उम्र में रियायत दी गई है। विधवा और परित्यक्ता के लिए अधिकतम उम्र की सीमा नहीं है। पूर्व सैनिक के लिए 50 वर्ष है।

यह हो रही दिक्कत

फिलहाल अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हो जाते हैं। आयोग को उनके लिए परीक्षा में बैठाने की व्यवस्था करनी पड़ती है। यदि वह अंतिम वर्ष की अनुत्तीर्ण रहा तो प्रतियोगी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद भी उसका चयन नहीं होगा। लिहाजा, आयोग ने इस सम्बंध में राज्य सरकार को पत्र लिखा है कि जो अभ्यर्थी आवेदन की अंतिम तिथि तक अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण हो जाए, उसे ही प्रतियोगी परीक्षा के लिए पात्र माना जाए। राज्य सरकार की सहमति के बाद ही यह नियम आरपीएससी की ओर से आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं पर लागू हो सकेगा।

प्रदेश से बाहर के 126 विद्यार्थी करेंगे बी.टेक

महिला इंजीनियरिंग कॉलेज में 45 और बड़ल्या इंजीनियरिंग कॉलेज में 81 सीटें आवंटित

प्रदेश के विद्यार्थियों की 16 को जारी होगी सूची

अजमेर। रीप 2024 के अन्तर्गत मंगलवार को अजमेर के महिला और बड़ल्या स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रदेश के बाहर के विद्यार्थियों को बी.टेक पाठ्यक्रम के लिए कॉलेज में सीट आवंटित की गई है। इनमें से महिला इंजीनियरिंग कॉलेज में 45 और बड़ल्या स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में 81 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। इन सभी आवंटित विद्यार्थियों को बुधवार से दस्तावेजों के साथ कॉलेज में रिपोर्टिंग देनी होगी। आवंटित विद्यार्थियों को कॉलेज द्वारा सूचित कर दिया गया है। 10 अगस्त तक आवश्यक रूप से इन्हे मूल दस्तावेजों एवं शुल्क के साथ उपस्थिति देनी होगी। राजस्थान के विद्यार्थियों को कॉलेज आवंटन के लिए 16 अगस्त को सूची घोषित की जाएगी।

महिला इंजीनियरिंग कॉलेज की प्राचार्य प्रोफेसर प्रकृति त्रिवेदी ने बताया कि प्रदेश के बाहर की 45 छात्राओं में से 4 को ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड मशीन लर्निंग, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग में 20, इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग में 1, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 2, इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 9, इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी में 9 हैं। इन छात्राओं को 10 अगस्त तक कॉलेज में रिपोर्टिंग करनी होगी। रिपोर्टिंग के दौरान छात्राओं को मूल दस्तावेज और शुल्क के साथ उपस्थिति देनी होगी। कॉलेज द्वारा इन सभी को विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवा दी गई है।

3 हजार 387 विद्यार्थियों ने कराया दस्तावेजों का सत्यापन

कल से रिक्त सीटों के लिए शुरू होगी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया

अजमेर। कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय में मंगलवार को प्रवेश शुल्क जमा कराने के अंतिम दिन तक रात्तक प्रथम वर्ष के प्रथम सेमेस्टर के लिए 3 हजार 440 सीटों के लिए 3 हजार 387 विद्यार्थियों ने दस्तावेजों का सत्यापन करवाकर शुल्क जमा करवा दिया है। इनमें से 1 हजार 534 वरीयता सूची और 1 हजार 853 प्रतीक्षा सूची वाले अभ्यर्थी शामिल हैं। अब प्रवेशित विद्यार्थियों की प्रथम सूची का प्रकाशन 8 अगस्त को किया जाएगा। जबकि 10 अगस्त को प्रवेशित विद्यार्थियों का वर्ग निर्धारण एवं विषय आवंटन कर इसी दिन से शिक्षण कार्य प्रारम्भ कर दिया जाएगा।

रिक्त सीटों पर आवेदन कल से

कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय द्वारा पूर्व में घोषित कार्यक्रम के अनुसार श्रेणीवार रिक्त सीटों के लिए भी 8 अगस्त से ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि 16 अगस्त तय की गई है। ऑनलाइन सत्यापन 17 अगस्त तक किया जाएगा। इसके बाद रिक्त सीटों के लिए प्रतीक्षा सूची 20 अगस्त एवं दस्तावेजों का सत्यापन एवं ई-मित्र पोस्टिंग की अंतिम तिथि 24 अगस्त की गई है। प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची का प्रकाशन 27 अगस्त एवं नव प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची 27 अगस्त को प्रकाशित कर 28 अगस्त को विषय आंवटन किए जाएंगे।

अंकों के सत्यापन के लिए 9 व 10 को कर सकेंगे आवेदन

सीबीएसई 10वीं की पूरक परीक्षा के परिणाम से असंतुष्ट विद्यार्थियों को मौका

अजमेर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से घोषित 10वीं कक्षा की पूरक परीक्षा के परिणाम से असंतुष्ट विद्यार्थी 9 व 10 अगस्त को अपने अंकों के सत्यापन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड के परीक्षा नियंत्रक डॉ.संयम भारद्वाज ने बताया कि प्रति विषय 5 सौ रुपए शुल्क देय होगा। अंकों का सत्यापन करने वाले विद्यार्थी 16 अगस्त को उत्तरपुस्तिका की फोटो कॉपी लेने के लिए आवेदन कर सकेंगे। प्रति उत्तरपुस्तिका 5 सौ रुपए का शुल्क जमा कराना होगा। इसी तरह उत्तरपुस्तिका की फोटोकॉपी लेने वाली विद्यार्थी 20 अगस्त को पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकेंगे। प्रति प्रश्न सौ रुपए का शुल्क देय होगा। थ्योरी पार्ट में ही पुनर्मूल्यांकन कराया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त को पूरक परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था।

यहां प्रक्रिया शुरू, आज अंतिम अवसर

इधर 12वीं की पूरक परीक्षा के परिणाम से नाखुश विद्यार्थियों के लिए अपने अंकों के सत्यापन के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हुई। बुधवार अंतिम तिथि होगी। विद्यार्थी 13 अगस्त को उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी तथा 17 अगस्त को पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकेंगे।

निर्धारित योग्यता नहीं होने के बावजूद कर दिया एप्लाई

आरपीएससी ने दिया आवेदन विद्ड्रॉ करने का मौका

कासं/अजमेर। सहायक आचार्य (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के लिए कई ऐसे अभ्यर्थियों ने भी आवेदन कर दिया है। जिनके पास निर्धारित शैक्षणिक योगयता नहीं है।

आरपीएससी सचिव के अनुसार संस्कृत शिक्षा विभाग के लिए राजस्थान संस्कृत शिक्षा (महाविद्यालय शाखा) नियम 2022 के तहत सहायक आचार्य के 15 विषयों की भर्ती के लिए 12 जनवरी को विज्ञापन जारी कर ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए थे। कुछ अभ्यर्थियों ने निर्धारित शैक्षणिक योग्यता अर्थात सम्बन्धित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि नहीं होने के बावजूद ऑनलाइन आवेदन कर दिए। ऐसे आवेदक 10 अगस्त तक एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर माय रिक्रूटमेंट सेक्शन के तहत सम्बन्धित परीक्षा के समक्ष उपलब्ध विदड्रॉ बटन पर क्लिक कर अपना ऑनलाइन आवेदन विदड्रॉ कर सकते हैं। वांछित शैक्षणिक योग्यता नहीं होने के बावजूद ऑनलाइन आवेदन करके इस परीक्षा के आयोज में बाधा उत्पन्न करने वाले अभ्यर्थ अपना ऑनलाइन आवेदन विदड्रॉ नह करेंगे तो उनके खिलाफ बीएनएस व धारा 217 के तहत अभियोजन व कार्यवाही शुरू की जाएगी।

8 से 15 सितम्बर तक होगी परीक्षा

राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से सहायक आचार्य (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 8 सितंबर से 15 सितंबर 2024 तक किया जाना प्रस्तावित है। इस परीक्षा के तहत कुल 15 विषयों के लिए सहायक आचार्य के 200 पदों के लिए विज्ञापन 12 जनवरी को जारी किया गया था।

प्रविष्टियों में भी कर सकेंगे संशोधन

आयोग ने अभ्यर्थियों को इस परीक्षा के लिए 10 अगस्त 2024 तक अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन करने का अवसर दिया है।

भारत को 3-2 से हरा जर्मनी हॉकी के फाइनल में पहुंचा

गोल्ड मेडल की भिड़ंत अब नीदरलैंड से होगी

पेरिस। जर्मनी ने सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को हराकर पेरिस ओलंपिक के फाइनल में जगह बना ली है। जर्मनी ने इस मैच में भारत को 3-2 के अंतर से हराया और स्वर्ण पदक मुकाबले में जगह बना ली। जर्मनी का फाइनल में सामना नीदरलैंड से होगा जिसने एक अन्य सेमीफाइनल में स्पेन को 4-0 से हराया था। भारतीय टीम भले ही स्वर्ण पदक मुकाबले के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी, लेकिन हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम के पास कांस्य पदक जीतने का मौका रहेगा। भारत का कांस्य के लिए सामना स्पेन से होगा।

भारत की ओर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 7वें मिनट में गोल दाग 1-0 से बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में जर्मनी के गोनजालो पीलैट ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। जर्मनी को 27वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। क्रिस्टोफर रूहर ने स्ट्रॉक लेने में कोई गलती नहीं की और गोल बना 2-1 से आगे कर दिया। तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने दबदबा बनाया और शुरुआती छह मिनट में ही तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। सुखजीत सिंह ने 36वें मिनट में गोल बना स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। मैच के 54वें मिनट में जर्मनी के मार्को मिल्टकाउ ने फील्ड गोल बना जर्मनी को 3-2 से बढ़त दिलाई, जो अंत में विजयी स्कोर रहा।

जीत के बाद जश्न मनाते जर्मनी के खिलाड़ी।

श्रीजेश ने मैदान छोड़ा

मैच में 3 मिनट बचे थे। भारत के गोलकीपर पीआर श्रीजेश मैदान छोड़ कर चले गए। उनकी जगह भारत ने फील्ड प्लेयर बढ़ा लिया। आखिरी मिनट में गोल करने का मौका भी मिला, लेकिन भारत गोल नहीं कर सका। फुल टाइम की व्हिसल बजी और भारत ने गोल्ड मेडल जीतने का मौका लगातार दूसरे ओलिंपिक में गंवा दिया।

स्पेन को रौंदकर नीदरलैंड पहुंचा फाइनल में

पेरिस। नीदरलैंड मंगलवार को हॉकी के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन को हराकर फाइनल में पहुंच गया है। नीदरलैंड ने पहले सेमीफाइनल में स्पेन को 4-0 से हराकर प्रतियोगिता में एक पदक पक्का कर लिया है। यह ग्रीष्मकालीन खेलों में नीदरलैंड का 10वां पदक है। नीदरलैंड फाइनल मुकाबले में गुरुवार को जर्मनी से भिड़ंत होगी।